

21/12/22 पञ्जावली पेना हुई। उभयपक्षकारान उप०। विभागीयगिण-  
से आदेशा न नियम ॥ CPC मय अल्लम्नामा पेना क्रिया  
जिससे शामिल पञ्जावली क्रिया जात है। कौपी पैरोकार सरकार  
को दिल्ली। पञ्जावली वाले जवान हेतु अखिरा दिनांक 12/01/23  
को पेना हो।

12/01/23 पञ्जावली पेना हुई। पैरोकार सरकार व विभागीयगिण-अधिवक्ता  
उप०। जवान हेतु समय-बाहने पर समय दिया जाकर  
पञ्जावली वाले अग्रिम कार्यवाही हेतु दिनांक 18/01/2023  
को पेना हो।

18/01/23 पञ्जावली पेना हुई। उभयपक्षकारान उप०। पैरोकार सरकार जवान  
पेना नही करना चाहते हैं। पैरोकार सरकार को हिदायत दी जाती है  
कि आगामी पेना में तैयार ठे साथ आवश्यक रूप से  
अपस्थित रहे अन्यथा आवेदन अदम पेशवा/अदम राजरी  
में रखाजि क्रिया जायेगा। अग्रिम कार्यवाही हेतु दिनांक  
23/01/23 को पेना हो।

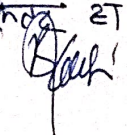
23/01/23 पञ्जावली पूर्व आदेशा की पालना में दिनांक 15/02/23  
को पेना हो।

15/02/23 पञ्जावली पेना हुई। उभयपक्षकारान उप०। उभयपक्षकारानों की बख्त  
शुनी गई। प्रार्थी (पैरोकार सरकार) की तरफ से बनाया गया क्रि-  
गिना परामितान ठे श्रुति पर निर्माण क्रिया जा रहा है जो कि  
नियमों ठे विरुद्ध है। विभागीयगिण अधिवक्ता ने उत्तुत प्रार्थना पत्र  
आदेशा न नियम ॥ CPC पर बख्त कर निवेदन क्रिया कि राजद्व्यान  
कारतकारी अधिनियम 1956 की धारा 175-177 ठे एकर गहर

नम्बरो के आधार पर उक्त धार्चना पत्र प्रस्तुत किया गया है। जो शकिल निरस्त करने योग्य है सत्य है कि राज. शास. अधिनियम 1955 में बना है। विधायीगण के द्वारा वादग्रस्त भूमि पर किसी प्रकार का जेड अवैध निर्माण नहीं किया गया है तथा न ही किसी प्रकार की जेड भूदानो का निर्माण उसके द्वारा किया जा रहा है। विधायीगण के द्वारा अपने पत्रुओ के लिए नारबाड़ा एवं घर का निर्माण किया जा रहा है। विधायीगण ने भी जेड सहाय्य के लिये अपना घर एवं पशुबाड़े इत्यादि बनाये जो अज्ञेय अधोपनार्थ की श्रेणी में नहीं आता है। राजस्थान शासकरी अधिनियम 1955 की धारा 175-177 के तहत सरकारी भूमि पर अवैध औरतमण अथवा अवैध अन्तर्ग या उप पट्टे के सम्बन्ध में है। धार्चन द्वारा उक्त धाराओ की परिभाषाओ का गलत अर्थ निकाले हुए गलत तथ्यो के आधार पर उक्त आवेदन प्रस्तुत किया है कि विधि के प्रावधानो के विपरीत होने से शकिले श्वादेशन योग्य है। उक्त पत्रुओ की बख्त पर मनन किया। पत्रावली एवं प्रस्तुत धार्चना पत्र को अवलोकन किया गया। अतः विधायीगण वकील द्वारा प्रस्तुत धार्चना पत्र उक्त निर्देश के साथ स्वीकार किया जाता है कि यदि विधायीगण द्वारा जेड भूमि का जेड जेड कार्य हेतु बिना सफ़्तम आला के किया जाता है तो आवेदन पुनः पेश किया जा

*(Signature)*

12/3  
शुभार

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नाम अहकाम हुक्म की में जारी हुए
	<p>           सफल हैं। एवं पत्रावली को डीपी स्तर पर समाप्त            किया जाता है। पत्रावली फैसल कुमार डोंडर दारिबल            दफ्तरी है। संख्या से कम है।   </p>	